>

Title: Regarding inclusion of any language spoken by more than 20 percent population of any State in the school curriculum.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): महोदय, मैं एक ऐसा विषय यहां रखना चाहता हूं जिससे लाखों आदमी प्रभावित हैं। बहुत सारे एक राज्य से दूसरे राज्य में गये हैं और वे अपनी भाषा अलग बोलते हैं, उनका पहनावा अलग है लेकिन यह देखा गया है कि बहुत बार कहने के बावजूद भी राज्य सरकारें जो भाषा वे बोलते हैं या लिखते हैं, उसे अपने पाठ्यक्रम में शामिल नहीं करते हैं, जैसे दिल्ली ले लीजिए, दिल्ली में 40 लाख से ज्यादा आबादी भोजपुरी बोलने वालों की है और वे जो बच्चे हैं, वे जो उस कल्चर के हैं और जो वे भाषा बोलते या लिखते हैं, उनको बड़ी तकलीफ होती है या फिर कुछ सालों के बाद वे उस भाषा को भूल जाएंगे जो उनके पूर्वज बोला करते थे। इसलिए मेरा केन्द्रीय सरकार से यह अनुरोध है कि कोई ऐसा कानून बनाए जिसे राज्य सरकार भी मानने के लिए बाध्य हो और जहां 20 प्रतिशत से ज्यादा की आबादी ऐसी हो कि जहां जो कोई भाषा बोली जाती हो या लिखी जाती है, उसे उस राज्य के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।